



# KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform



**BIHAR SSC**



**(10+2) Level Batch**

**Hindi Medium**



**BALVEER SIR**

TOPIC -

1857 की क्रांति — Part-2



सैनिक कारणः - भारतीय व यूरोपीय सैनिकों के वेतन में अन्तर था।  
→ अधिक  
← कम

सैनिकों का अनुपातः - 5:1

भारतीय सैनिक : यूरोपीय सैनिक



TOPIC -

कनिंग द्वारा:- 1856 सैन्य मती अधिनियम



IMP

तात्कालिक कारण :- गाय व सुअर की चर्बी वाले कार्बुर

पहले बन्दुक :-> ब्राउन बेस का उपयोग

नयी बन्दुक :->

एनफील्ड राइफल

इसमें गाय व सुअर की चर्बी वाले कार्बुर का उपयोग

पुलविचकारखाना लाहौर निर्माण

भारत में एन्फील्ड राइफल को बनाने

के ठिकाने :- (i) भंडाला

(ii) कन्नड़

(iii) सुयालकोट

\* गाय व शुभ्र की चर्बी वाले कारतुसो के उपयोग  
की जानें हेतु :- विसेन्ट रिमथ की अहयहाता में  
एक जानें आयोग बनाया गया।

जानें - रबीकार

## 1857 की क्रांति का स्वरूप

योजना : → (i) बापूजी मुखर्जी (जाना साहेब का सलाहकार)  
(ii) रंगा जी बापू (सतारा के अय्यरस्थ राजा के सलाहकार)

योजना के प्रियान्वयन :- जाना साहेब

# 1857 की क्रांति के प्रतीक चिह्न

रोटी / चपाती

शामान्य लोगो द्वारा  
उपयोग

कमल का फूल

जमींदारो द्वारा उपयोग

1857 का क्रांति का आरम्भ:-

बैरकपुर छावनी →

34वीं पैट्रिक इंफैन्ट्री रैजिमेंट  
ब्रिगेड कैंप

बलिया के  
(गाजीपुर C.P.) में  
रहने वाले थे

मंगल पाठे

→ सुरि ←

२१ मार्च 1857

⇒ मंगल पाण्डे ने एनकीण्ड राइफल्स  
का उपयोग करने मना कर दिया।

① लेफ्टिनेंट बाग

② सार्जेन्ट मेजर ह्यूसन

— हत्या कर दी

8 Apr. 1857

⇒ मंगल पाठे को सार्वजनिक रूप से  
फाँसी दे दी गयी। + इश्वरी पाठे

मेरठ:-

२० वीं नॉटिफ इन्फेन्सी

सैनिक इकाई

तैनात थी।

४५ सैनिकों गिरफ्तार कर लिया

१० मार्च १८५७

राजि को जेल बोडकर छुड़ा लिया

दिल्ली : →

11 मई 1857 को सुबह मेरठ छावनी  
के विद्रोही सैनिक दिल्ली पहुँच गए।

लाल किले में - मुगल बादशाह बहादुरशाह (II)

जकार

ये स्वयं की शक्ति से  
बिना सैन्य सहायता के

1857 क्रांति का नेता :- बहादुर शाह जफर ✓

→ प्रतीकात्मक नेता

सेनापति ⇒

बख्त खान

⇒ वास्तविक नेता

अंग्रेज आधिकारी ⇒

निकलासन

, हडसन

→ सुर्य

20 Sep. 1857 ⇒ हड़सन ⇒

बहादुर शाह जफर व

उनके पुत्रों को दुमायु के  
मकबरे से गिरफ्तार  
करता है।

इलाह अकबर

बहादुर शाह जफर  
के साथ विश्वासघात

केर भंगोले से  
सुनना दे के

⇒ संगुज जेल भेज  
दिया।

7 नव. 1862 - मुमयु

मकबरे | समाधि

संगुज



# KHAN GLOBAL STUDIES

## Most Trusted Learning Platform

# THANKS FOR WATCHING

